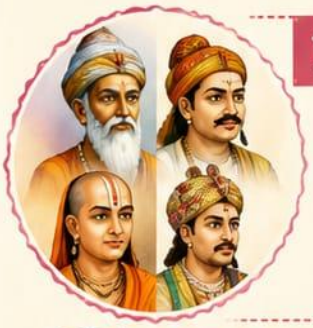
पद्य विभाग

इस विभाग में पढ़ेंगे-



1. **अनमोल वाणी :**
   - कबीरदास
   - सूरदास
   - तुलसीदास
   - रहीम

2. **मनुष्यता**

3. **एक तिनका**

4. **चाँद का झिंगोला**

5. **नीड़ का निर्माण फिर फिर**

6. **काँटे कम-से-कम मत बोओ**

कविता जीवन की अनुभूतियों की मधुर अभिव्यक्ति है।

अनमोल वाणी
(कबीरदास के दोहे)







सन 1398,काशी का लहतारा मे जन्म हुआ था।



निरक्षर



नीरु/नीमा एक जुलाहा परिवार में



बीजक



- ✓ सत्य बोलना
- ✓ गुरु का सम्मान
- ✓ मधुर वाणी का प्रयोग
- ✓ अहंकार का त्याग
- ✓ सभी के प्रति प्रेम एवं समानता

यह पाठ बीएसई ओडिशा की कक्षा 10 की हिन्दी सौरभ पुस्तक में कबीरदास के दोहों पर आधारित है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिकता, सदाचार, आत्मज्ञान तथा मानवता के मूल्यों का विकास करना है।

1. सामान्य जानकारी

- **विषय:** हिन्दी
- **कक्षा:** 10वीं
- **पाठ:** अनमोल वाणी - कबीरदास के दोहे
- **समय:** 2–3 पीरियड (40–45 मिनट प्रत्येक)

2. अधिगम उद्देश्य

पाठ के अंत में विद्यार्थी:

- कबीरदास के जीवन एवं साहित्य का परिचय प्राप्त करेंगे।
- दोहों का शुद्ध उच्चारण एवं भावार्थ समझेंगे।
- दोहों में निहित नैतिक एवं सामाजिक संदेश को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करेंगे।
- प्रश्नों के उत्तर लिखने एवं व्याख्या करने में सक्षम होंगे।

3. पूर्व ज्ञान परीक्षण

शिक्षक विद्यार्थियों से निम्न प्रश्न पूछें:

- कबीरदास कौन थे?
- दोहा किसे कहते हैं?
- संत साहित्य का क्या महत्व है?

4. शिक्षण प्रक्रिया

(क) भूमिका

- कबीरदास का चित्र दिखाकर उनका संक्षिप्त परिचय दें।
- विद्यार्थियों से नैतिक जीवन पर चर्चा कराएँ।

(ख) प्रस्तुतीकरण

- शिक्षक प्रत्येक दोहे का शुद्ध वाचन करें।
- विद्यार्थी सामूहिक एवं व्यक्तिगत वाचन करें।
- कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ।
- प्रत्येक दोहे का सरल हिन्दी में भावार्थ बताएं।
- जीवन में उसकी उपयोगिता पर चर्चा करें।

(ग) व्याख्या

मुख्य बिंदुओं पर विशेष ध्यान दें:

- गुरु का महत्व
- मधुर वाणी का महत्व
- आत्मज्ञान
- अहंकार का त्याग

5. कक्षा गतिविधियाँ

- दोहों का सस्वर पाठ।

- समूह चर्चा - "आज के जीवन में कबीर के विचारों की उपयोगिता।"
- किसी एक दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखना।
- दोहों का कंठस्थ पाठ।

6. मूल्यांकन

मौखिक प्रश्न

1. कबीरदास किस युग के कवि थे?
2. दोहा किसे कहते हैं?
3. गुरु का महत्व क्यों बताया गया है?

लिखित प्रश्न

1. किसी एक दोहे का भावार्थ लिखिए।
2. कबीरदास के दोहों से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
3. कठिन शब्दों के अर्थ लिखिए।

7. शिक्षण मूल्य

8. गृहकार्य

- दो दोहे कंठस्थ करें।
- किसी एक दोहे का भावार्थ 8–10 वाक्यों में लिखें।
- "कबीर के विचार आज भी क्यों प्रासंगिक हैं?" विषय पर 100 शब्दों का अनुच्छेद लिखें।

9. अपेक्षित अधिगम परिणाम

विद्यार्थी:

- कबीरदास के दोहों का अर्थ समझेंगे।
- दोहों की व्याख्या कर सकेंगे।
- परीक्षा संबंधी प्रश्नों का सही उत्तर लिख सकेंगे।
- नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

पाठ - सूरदास (पद)



➢ अधिगम उद्देश्य:

- ✓ पाठ के अंत में विद्यार्थी
- ✓ कवि सूरदास का संक्षिप्त परिचय बता सकेंगे।
- ✓ पद का भावार्थ समझ सकेंगे।
- ✓ श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं भक्तिभाव का वर्णन कर सकेंगे।
- ✓ कठिन शब्द के अर्थ बता सकेंगे।
- ✓ भक्ति, प्रेम तथा मानवीय मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

➢ पूर्वज्ञान:

विद्यार्थी श्रीकृष्ण के जीवन तथा भक्ति कालीन कवियों से सामान्य रूप से परिचित हैं।

➢ शिक्षण सामग्री

- पाठ्य-पुस्तक
- श्याम पट एवं चॉक
- सूरदास का चित्र
- श्रीकृष्ण का चित्र
- चार्ट
- शब्द कार्ड

➢ शिक्षण प्रक्रिया:

क - प्रस्तावना:

शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न पूछेंगे -:

-सूरदास कौन थे ?

सूरदास ने किसकी बाल-लीलाओं का वर्णन किया हैं ?भक्ति का क्या महत्व है ?

(ख) प्रस्तुतीकरण

शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न पूछेंगे -:

-सूरदास कौन थे ?

सूरदास ने किसकी बाल-लीलाओं का वर्णन किया हैं ?भक्ति का क्या महत्व है ?

➢ शिक्षण बिंदु

1. शिक्षक आदर्श वाचन करेंगे।
2. विद्यार्थी अनुकरण वाचन करेंगे।
3. कठिन शब्दों के अर्थ समझाए जाएँगे।
4. पद का भावार्थ स्पष्ट किया जाएगा।

5. कवि परिचय
6. पद का भावार्थ
7. श्रीकृष्ण की बाल-लीलाएं
8. वात्सल्य एवं भक्ति-भाव
9. पाठ का संदेश

➢ कठिन शब्द एवं अर्थ:

वात्सल्य – माता पिता का सनेह

माक्खन – मक्खन

गोपी – ग्वालिन

स्नेह – प्रेम

भक्ति – ईश्वर के प्रति श्रद्धा

➢ विचार बोध:

सूरदास कृष्ण-भक्ति के महान कवि हैं।

भगवान के प्रति सच्ची भक्ति जीवन को श्रेष्ठ बनाती है।

माता पिता का प्रेम और वात्सल्य अमूल्य होता है।

प्रेम, भक्ति और विनम्रता जीवन के श्रेष्ठ गुण हैं।

➢ मूल्यांकन प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न:

1. सूरदास के पद में बलराम कृष्ण से क्या पूछते हैं?

(A) तुमने माँ से मेरी शिकायत क्यों की (B) क्या तुमने माखन खाया है?

(C) तेरी माता पिता कौन हैं? (D) क्या तुम्हे सही मोल करना आता है ?

2. सूरदास के पद में कृष्ण किससे बलराम की शिकायत कर रहे हैं?

(A) देवकी (B) नंद बाबा (C) यशोदा (D) वसुदेव

3. दाऊ किसको खिझाते हैं?

(A) यशोमती को (B) कृष्ण को

(C) ग्वालबालक को (D) नंद बाबा को

4. कृष्ण से कौन पूछता है कि तेरी माता और पिता कौन हैं?

(A) यशोदा (B) ग्वाल बाल

(C) नंद (D) बलराम

5. ग्वाल बाल चुटकी बजाकर क्या करते हैं?

(A) गाते हैं (B) खेलते हैं

(C) नाचते हैं (D) सोते हैं

6. कृष्ण किससे शिकायत करते हैं?

(A) नंद से (B) यशोदा से

(C) बलराम से (D) मित्रों से

(7) यशोदा बलराम को क्या कहती हैं?

(A) समझदार (B) चूगलखोर

(C) बहादुर (D) अलसी

(8) यशोदा किसकी कसम खाकर कहती हैं कि कृष्ण उनके पुत्र हैं?

(A) गंगा की (B) गोधन की

(C) यमुना की (D) तुलसी की

(9) यशोदा किस बात से प्रसन्न हो जाती हैं?

(A) कृष्ण के खेल से (B) कृष्ण के गुस्से और उनकी बातें सुनकर

(C) बलराम की बातों से (D) नंद के आने से

(10) पाठ के अनुसार बलराम जन्म से कैसे हैं?

(A) धूत (B) शरारती

(C) डरपोक (D) गंभीर

(11) बालक कृष्ण कहां खेल रहे हैं?

(A) बन में (B) आंगन में

(C) नदी के किनारे (D) गौशाला में

(12) कृष्ण अपने आप क्या कर रहे हैं?

(A) रो रहे हैं (B) गा रहे हैं

(C) पढ़ रहे हैं (D) सो रहे हैं

(13) कृष्ण गाते गाते क्या करते हैं?

(A) दौड़ते हैं (B) नाचते हैं

(C) सो जाते हैं (D) पढ़ते हैं

(14) कृष्ण किन गायों को बुलाते हैं?

(A) लाल और पीली (B) काली और सफेद

(C) भूरी और काली (D) केवल सफेद

15) कृष्ण कभी कभी कहाँ चले जाते हैं ?

(A) मंदिर में (B) घर के भीतर में

(C) बगीचे में (D) विधालय में

(16) घर में जाकर कृष्ण क्या खाए ?

(A) दूध (B) दही

(C) माखन (D) फल

(17) माता यशोदा कहाँ से कृष्ण की लीला देख रही हैं ?

(A) पास में (B) दूर से

(C) घर से (D) खिड़की से

(18) कृष्ण किसे माखन खिलाते हैं ?

(A) यशोदा को (B) नंद बाबा को

(C) दाऊ (D) अपने प्रतिविम्ब

(19) कौन दाऊ पर नहीं खीझती हैं ?

(A) यशोदा (B) नंदबाबा

(C) ग्वाला बालक (D) कृष्ण

(20) बाल लीला के रचयिता कौन हैं ?

(A) सूरदास (B) कबीरदास

(C) तुलसी दास (D) रहीम

(21) भक्ति काल के सर्वश्रेष्ठ कृष्ण भक्त कवि किसे माना जाता है ?

(A) रहीम (B) कबीर दास

(C) तुलसी दास (D) सूरदास

(22) सूरदास के पदों में किस रस की प्रधानता है ?

(A) वीर रस (B) वात्सल्य रस

(C) रौद्र रस (D) भयानक रस

(23) सूरदास की भाषा कौन सी है

(A) अवधी (B) ब्रजभाषा

(C) खड़ी बोली (D) मैथिली

(24) सूरदास किसके उपासक थे ?

(A) राम (B) शिव

(C) श्रीकृष्ण (D) गणेश

लघु उत्तरीय प्रश्न:

1-बालक कृष्ण की बाललीला का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

2-कृष्ण यशोदा से क्या शिकायत करते हैं और क्यों?

3- चुटकी देकर ग्वाल-बालक क्यों नाचते हैं?

4- 'सूर श्याम मोही गोधन की सौं हौं माता तू पूत' इस पद को समझाइए।

(5) 'पुनि पुनि कहत कौन है माता, कौन है तुम्हारो तात' इस आशय को स्पष्ट कीजिए।

(6) 'तनक-तनक चरननि सौं नाचत, मनहिं-मनहिं रिझावत' इस आशय को स्पष्ट कीजिए।

शिक्षक के उद्देश्य से:

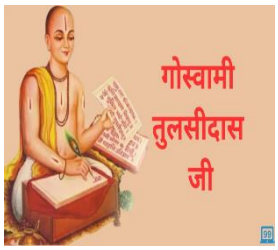
1 - विद्यार्थियों को सूरदास के जीवन एंव साहित्य से परिचित कराना।

2 - विद्यार्थियों को पद का शुद्ध वाचन एवं भावार्थ समझाना।

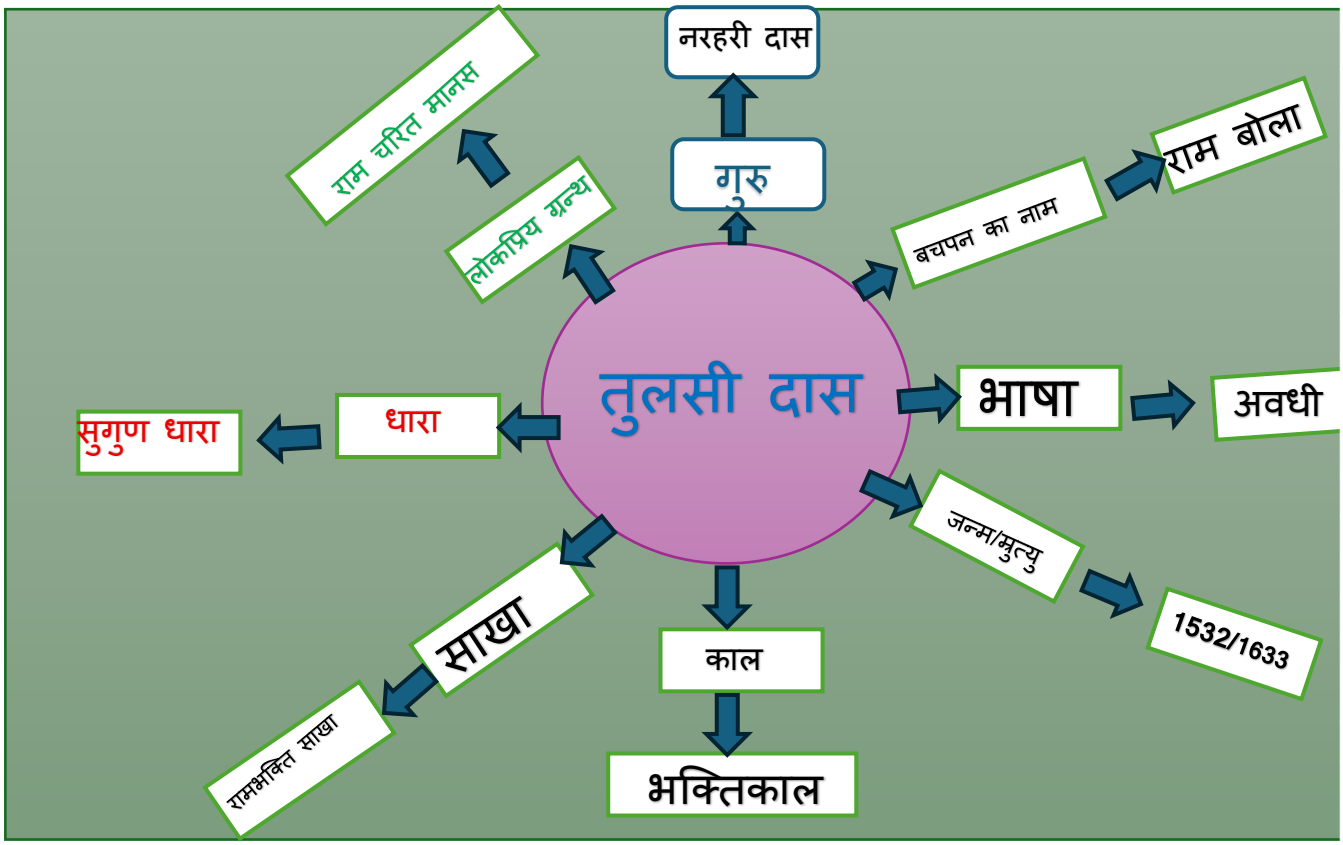
3 - विद्यार्थियों को कठिन शब्दों के अर्थ एवं भाषा शैली से परिचित कराना।

दोहे

कबि परिचय



गोस्वामी मी तुलसी दास जी भक्तिकाल के तथा सुगुण भक्ति धारा के प्रमुख कवी थे। वे राम भक्ति साखा के मानेजाते हैं । चुँकी व जन्म होते ही राम नाम जप करते थे, इसीलिए उनका नाम बचपन में "रामबोला" पड़- गया। उनका जन्म सन 1532 में उत्तर प्रदेश के राजापुर में हुआ और देहान्त सन 1633 में हुआ था। उनका गुरु नरहरी दास थे । हाँलाकी वह अवधी और ब्रज दोनो भाषाओं में अपनी दोहे और कबिताएँ लिखी पर उनकी प्रमुख भाषा अवधी है। उन्होंने अधी भाषा में लोकप्रिय ग्रन्थ "रामचरित मानस" लिखा ।



तुलसी दास जी की अन्यान्य क्रुतियाँ:- बिनय पत्रिका, कबितावळी, गीतावली आदि।

<u>दोहे के मूख्य बिचार बिन्दु:-</u>

1. मिठे बचन और कटू बचन के वारे में पुरी तरह से जानकारी प्राप्त करना
2. वशीकरण मन्त्र क्या है समझना।
3. धन का महत्व तथा गज,बाजी और रतन धन क्या है और सन्तोष धन के बारे में समझना|
4. क्रोध के समय वचन बोलने से क्या होता इस का ज्ञान करना।
5. दोहे में होनेवाले शब्दों से बच्चे ब्याकरण का ज्ञान प्राप्त करना ।

<u>शिक्षकों के लिए:-</u>

1. बच्चों की जनकारी के लिए तुलसी दास जी के एक चित्र प्रस्तुत कर दिखाएँगे ।
2. तुलसी दास जी के समय समाज ने होने वाले घटनाआँ के वारे में थोड़ा ज्ञान बच्चों को देन्गे। जिससे यह पता चल सके कि कवि ने सामाजिक तथा धार्मिक परिस्तितियों के तौर पर अपनी कबिताएँ लिखी।
3. दोहे में होने वाले शब्दों से बच्चों को संज्ञा,लिंग,वचन,कारक, पर्यायवाची तथा बिलोम शब्द आदि निकालने को कहेन्गे, जिससे बच्चों में ब्याकरण का ज्ञान बढ़ेगा ।
4. बच्चों को हिन्दी प्राकृत और अपभ्रंस भाषाओं के वारे मे ज्ञान दे कर अवधी भाषा प्राकृत या अपभ्रंस अर्द्ध मागधी से बनी है यह बताना है।
5. इन बिषयों के मूख्य प्रश्नों को सरल रूप से प्रस्तुत करने का तरिका बताना।

6. बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर (MCQ's)

1. तुलसीदास किस काल के हैं?

A.आदिकाल C.रीतिकाल

B.भक्तिकाल D. आधुनिक काल

2. तुलसीदास का जन्म कब हुआ?

A.1440 C.1530

B.1532 D.1450

3. तुलसीदास के गुरु कौन थे?

A.रामानंद C. रामचन्द्र शुक्ल

B.वल्लभाचार्य D. नरहरिदास

4. तुलसीदास जी के महाकाव्य का नाम क्या है? (लोकप्रिय ग्रंथ)

A.विनयपत्रिका C.हनुमान चालीसा

B.रामचरितमानस D.कवितावली

5. तुलसीदास जी की मुख्य भाषा क्या है?

A.मैथिली C.अवधी

B.ब्रज D.मगही

6. किससे सुख उत्पन्न होता है?

A.कटु वचन C.मित्र वचन

B. साधु वचन D.मीठे वचन

7. वशीकरण मंत्र क्या है?

A.मीठे वचन C.रानी वचन

B.कटु वचन D.सभी वचन

8. सब धन से बड़ा धन क्या होता है?

A.कुधन C.रत्न धन

B.सुधन, D.संतोष धन

9. किसके आगे सब धन धूरी समान है?

A.गौ धन C.बाजी धन

B.गज धन D.संतोष धन

10. क्रोध के समय क्या नहीं खोलना चाहिए?

A.मुट्ठी C.चाकू

B.तलवार D.रसना

11. क्या विचार करके बोलना चाहिए?

A.उपदेश C.गल्प

B.कहानी D. वचन

12. क्या सुनने पर परिणाम हित होता है?

A.गली C.लांछन

B.अपशब्द D.मीठे वचन

13. तुलसी जी किसे परिहार करने को कहते हैं?

A.मधुर वचन C.छोटे वचन

B. कठोर वचन D.बड़े वचन

14. कवि ने सन्तोष की किसके साथ तुलना की है?

A.गज C.संतोष

B.बाजी D.धन

15. 'विनय पत्रिका' किसकी रचना है?

A.सूरदास C.तुलसीदास

B.मीराबाई D.रहीम

16. तुलसीदास जी किस धारा के हैं?

A.निर्गुण C.द्रविण

B.सगुण, D.अध्रुव

17. तुलसीदास की साखा क्या है?

A.कृष्णभक्ति C.रामभक्ति

B.रागा शाखा D.प्रेमभक्ति

18. तुलसीदास जी का जन्म कहाँ हुआ?

A.श्रीनगर C.लखनऊ

B.राजापुर D.दिल्ली

19. तुलसीदास के बचपन का नाम क्या था?

A.धनवीर C.रामबोला

B.रामानंद D.कर्मवीर

20. नरहरिदास के गुरु कौन थे?

A.तुलसीदास

B.सूरदास

C.रामानंद

D.वल्लभाचार्य

➢ दीर्घ उत्तर मूलक प्रश्न

1. **रोष न रसना .....बोलिअ वचन विचारि।**
2. **तुलसी मिथे वचन ते..... परिहरु वचन कठोर।**
3. **गोधन,गजधन.....सब धन धुरी समान।**

अनमोल वाणी

रहीम

- **कवि परिचय :-**

रहीम का पूरा नाम अब्दुर्रहीम खानखाना ।
इनका जन्म सन् 1556 ई में हुआ था । वे अकबर के अभिभावक बैरम खाँ के पुत्र थे । वे अकबर के दरबार के प्रतिष्ठित कवि, सेनापति एवं दानी थे ।
रहीम अरबी, फारसी, संस्कृत तथा हिन्दी के विद्वान थे ।
उनके दोहे में भक्ति, नीति, परोपकार, मानवता, प्रेम मिलता हैं।
रहीम का स्वभाव विनम्र तथा उदार था । वे सामान्य लोगो से भी प्रेम करते थे ।

- **रहीम की प्रमुख रचनाएँ (कृतियाँ)** :-

• रहीम सतसई, रहीम रलावली, रहीम विलास, बरवै नायिका भेद, मदनाष्टक, राम पंचाध्यायी तथा श्रृंगार सोरठा ।

दोहे के मुख्य विचार बिंदु :

1. परोपकार की भावना :- मनुष्य को पेड़ और तालाब की तरह दूसरों के हित में कार्य करना चाहिए ।
2. छोटी का सम्मान :- बड़े और छोटे सभी व्यक्तियों का समान आदर करना चाहिए । क्योंकि प्रत्येक का अपना महत्व होता हैं ।
3. त्याग और बलिदान - राजा शिवि और दधीचि की तरह दूसरों की भलाई के लिए त्याग करने की प्रेरणा

मिलती है ।

4. मानवता और नैतिकता :- रहीम के दोहे हमें प्रेम, दया दया, सहयोग, परोपकार का पालन करने की शिक्षा देते हैं ।

शिक्षकों के लिए

1.शिक्षक सबसे पहले रहीम जी के एक चित्र प्रस्तुत कर दिखाएँगे । और उनको संक्षिप्त जीवन-परिचय बताएँ, उनकी महानता पर चर्चा करें ।

2.प्रत्येक दोहे का शुद्ध उच्चारण करते हुए विद्यार्थियों से सामूहिक वाचन कराएँ ।

3.दोहों के कठिन शब्दों का अर्थ(शब्दार्थ) सरल भाषा में समझाएँ ।

4.पेड़, तालाब, सुई, तलवार आदि उदाहरणों द्वारा दोहों का भाव स्पष्ट करें ।

5.विद्यार्थियों से पूछे कि वे अपने जीवन में परोपकार कैसे कर सकते हैं ।

6.राजा शिवि और दधीचि ऋषि की कथा सुनाकर परोपकार का महत्व समझाएँ ।

7.छोटे और बड़े सभी व्यक्तियों के सम्मान का संदेश उदाहरण सहित समझाएँ ।

8.दोहे में मिलने वाली शिक्षा को बोर्ड पर लिखकर

9.विद्यार्थियों से नोट करवाएँ । विद्यार्थियों से दोहों का अर्थ अपने शब्दों में बोलने और लिखने का अभ्यास कराएँ ।

10.अंत में - प्रश्नोत्तर, मौखिक चर्चा तथा गृहकार्य के माध्यम से पाठ का पुनरावर्तन कराएँ ।

OBJECTIVE QUESTIONS

Q.1. रहीम का पूरा नाम क्या था ?

2. रहीम का जन्म कब हुआ था ?

3. रहीम किसके पुत्र थे ?

4. रहीम किन भाषाओं के विद्वान थे

5. "तरुवर फल नहीं खाता हैं" इस में तरुवर का अर्थ क्या हैं

6. "सरवर" का अर्थ क्या हैं ।

7. जहाँ सुई का काम आता है, वहाँ क्या काम नहीं आता ।

8. रहीम के अनुसार उपकार किस पर करना चाहिए ।

9. राजा शिवि ने कबूतर की रक्षा के लिए क्या दिया ।

10. दधीचि ऋषि ने देवताओं की सहायता के लिए क्या दान किया ।

11. पेड़ अपना फल क्यों नहीं खाता ?

12. परोपकार करते समय क्या जरूरी नहीं हैं ?

13. वृत्तसुर जिस अस्त्र से मारा गया, उस अस्त्र का नाम क्या था ?

14. सरवर क्या नहीं खाता हैं ?

15. इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती हैं ?

SUBJECTIVE QUESTIONS

LONG QUESTIONS

Q.1. तरुवर और सरवर क्या करते हैं ?

2. छोटों की अवहेलना नहीं करनी चाहिए - क्यों ?

3. राजा शिवि और ऋषि दधीचि ने किसलिए मांस और अस्थि दान दिए थे ?
4. जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तलवारि(आशय स्पष्ट की की

कविता मनुष्यता

कवि परिचय

मैथिली शरण गुप्त



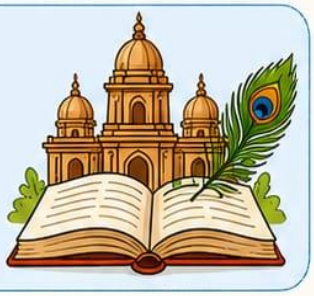
1. मैथिली शरण गुप्त का जन्म चिरगाँव, झाँसी (उत्तर प्रदेश) में सनू 1886 में हुआ था।



2. अपने जीवन काल में ही वे 'राष्ट्रकवि' के नाम से प्रसिद्ध हुए।



3. उन्होंने भारतीय जीवन के आदर्श, इतिहास और संस्कृति को अपने काव्य का आदर्श बनाया।



4. स्नेह, प्रेम, दया, उदारता जैसे मानवीय भावों को भी साहित्य के माध्यम से उजागर किया।



> "ऐसा जीवन जियो कि मरने के बाद भी लोग तुम्हें तुम्हारे अच्छे कर्मों से याद करें।"





सच्चा मनुष्य वही है जो
★ मानवता की सेवा करे और दूसरों के लिए जिए। ★



➢ 1.अध्यापन-बिंदु-

- ❖ मनुष्य जीवन की सार्थकता एवं महानता
- ❖ परोपकार और मानव सेवा का महत्व
- ❖ मृत्यु की अनिवार्यता तथा अमरत्व का वास्तविक अर्थ
- ❖ लोभ, अहंकार एवं स्वार्थ का त्याग
- ❖ ईश्वर की सर्वव्यापकता एवं कर्मफल का सिद्धांत
- ❖ मानव-मानव की समानता तथा विश्व-बंधुत्व की भावना

➢ 2. शिक्षण-विधि

- ❖ शिक्षक कविता का सस्वर एवं भावपूर्ण वाचन कराएँ। तत्पश्चात कठिन शब्दों के अर्थ स्पष्ट करते हुए प्रश्नोत्तर, व्याख्या, चर्चा तथा उदाहरणों के माध्यम से कविता के भाव को विद्यार्थियों तक पहुँचाएँ। विद्यार्थियों को अपने जीवन से जुड़े उदाहरण देने हेतु प्रेरित करें तथा मानवता और सेवा-भाव पर विचार-विमर्श कराएँ।

➢ 3.शिक्षकों हेतु विशेष निर्देश

- ❖ अध्यापन के दौरान विद्यार्थियों को यह स्पष्ट करें कि मनुष्य की वास्तविक महानता धन, बल अथवा वैभव में नहीं, बल्कि उसके सद्कर्म, परोपकार, सेवा और मानवीय संवेदनाओं में निहित है। विद्यार्थियों को महापुरुषों के जीवन-प्रसंगों के माध्यम से यह समझाएँ कि जो व्यक्ति समाज और मानवता के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित करता है, वही वास्तव में अमर होता है। साथ ही, विद्यार्थियों में सहयोग, सहिष्णुता, प्रेम, करुणा और विश्व-बंधुत्व की भावना विकसित करने पर विशेष बल दें।

➢ बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर (MCQ's)

1.कवि किससे न डरने की बात कह रहे हैं

A. मृत्यु
B. यात्रा
C. दोस्ती
D. दुश्मनी

2.मनुष्य क्या पाकर मदांध हो जाता है

A. परिवार
C. वित्त
B. दोस्त
D. सोना

3.किसके बड़े हाथ है

A. त्रिलोकनाथ
C. भाई
B. सनाथ
D. मित्र

4.कवि ने किसे भाग्यहीन कहा है

A. निर्धन को
C. दुर्बल व्यक्ति को
B. जो अधीर होता है
D. दयावान को

5.पुराण पुरुष कौन है

A. माता
C. भाई
B. पिता
D. बहन

6. वेद किसका प्रमाण है

A.अंतर की एकता B. बंधु की एकता C.बाहर की एकता D.मनुष्य की एकता

7.संसार में मनुष्य का बंधु कौन है

A. भगवान
C. दोस्त
B. माता-पिता
D. मनुष्य

8.कौन बंधु की व्यथा हरण कर सकता है

A. शिक्षक
C. माता-पिता
B. बंधु
D. बहन

9.कवि ने किसे मनुष्य कहा है

A. जो अपने लिए जीता है
C. जो घमंडी होता है
B. जिसे धन का अहंकार नहीं होता
D. जो मनुष्य की सेवा करता है

10.इनमें से स्वयंभू कौन है

A. तपन
C. योगीराज
B. आत्मा
D. परमात्मा

11.कवि ने किस प्रकार की मृत्यु को प्राप्त करने की बात कही है

A. कुमृत्यु
C. अपमृत्यु
B. सुमृत्यु
D. आत्महत्या

12.इनमें से पशु प्रवृत्ति कौन सा है

A. अपने स्वार्थ के लिए जीना
B. बुद्धि हीनता को दिखाना
C. दूसरों की मदद करना
D. मनुष्य की सेवा करना

13.विचार को की मर्त्य हो यहां मर्त्य का अर्थ _____है

A. स्वर्गलोक
B. मरणशील
C. पृथ्वीलोक
D. पाताललोक

14.कवि के अनुसार सबसे बड़ा विवेक _____है

A. दीनबंधु के बड़े हाथ है
B. सारे मनुष्य आपस में भाई-भाई है
C. मनुष्य को अपने लिए जीना चाहिए
D. मृत्यु से डरने की आवश्यकता नहीं है

15.यदि बंधु ही बंधु की व्यथा हरण नहीं करता तो _____हो जाएगा

A. अर्थहीन
B. अनर्थ
C. सार्थक
D. निरर्थक

➢ विशेष अध्ययन के लिए प्रश्नोत्तर-

1. 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ? या 'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है, पुराण पुरुष स्वयं पिता प्रसिद्ध एक है । [2024]

2. अनाथ कौन है यहाँ ? त्रिलोकनाथ साथ हैं, कवि ने ऐसा क्यों कहा है स्पष्ट कीजिए ? या कवि ने क्यों कहा कि यहां कोई अनाथ नहीं है? [2025]
3. वही पशु प्रवृत्ति है कि आप आप ही चरे, वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे भाव स्पष्ट कीजिए ? [2016]
4. कविने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है
   उः जब कोई मनुष्य अपने जीवन में सत्कर्म करता है दूसरों के लिए बलिदान देता है तो वह मर कर भी अमर हो जाता है। मरणोपरान्त भी लोग उसे श्रद्धा से याद करते हैं। ऐसी मृत्यु ही सुमृत्यु होती है। वरना जीना भी बेकार है और मरना भी बेकार है।
5. रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में । सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में भाव स्पष्ट कीजिए ?
6. विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी, मरो परंतु यों करो कि याद जो करें सभी भाव स्पष्ट कीजिए ? या कवि किससे न डरने की बात कह रहे हैं ? [2020]
7. अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे; वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे भाव स्पष्ट कीजिए ? [2019,2016]

एक तिनका

- **कवि परिचय**

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

जन्म: 15 अप्रैल 1865, निजामाबाद (उत्तर प्रदेश)

निधन: 16 मार्च 1947

साहित्यिक युग: द्विवेदी युग

प्रमुख कृतियाँ: प्रियप्रवास, वैदेही वनवास, चुभते चौपदे, एक तिनका आदि।

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध कवि थे। उनकी भाषा सरल, प्रभावशाली तथा नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण है। उनकी रचनाओं में विनम्रता, मानवता, देशप्रेम और आदर्श जीवन का संदेश मिलता है। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम से समाज को सही दिशा देने का प्रयास किया।

अधिगम उद्देश्य

- **विद्यार्थी—**

- **कविता का भावार्थ समझ सकेंगे।**
- **घमंड के दुष्परिणाम को जान सकेंगे।**
- **विनम्रता का महत्व समझेंगे।**
- **कविता का सही वाचन एवं व्याख्या कर सकेंगे।**

पूर्व ज्ञान

- **घमंड क्या है?**

छोटी-सी वस्तु भी बड़ा प्रभाव कैसे डाल सकती है?

शिक्षण सामग्री\ पाठ्यपुस्तक\ कवि का चित्र\ श्यामपट

चार्ट\ शब्दार्थ कार्ड\ शिक्षण प्रक्रिया\ प्रस्तावना

- **शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न पूछें—**

- **क्या कभी आपकी आँख में धूल या तिनका गया है?**
- **उस समय आपको कैसा लगा?**
- **क्या छोटी वस्तु भी बड़ी परेशानी पैदा कर सकती है?**

- इसके बाद कविता का परिचय दें।

➢ कविता का केंद्रीय भाव

यह कविता हमें सिखाती है कि मनुष्य को कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए। एक छोटा-सा तिनका भी मनुष्य का अभिमान तोड़ सकता है। इसलिए जीवन में सदैव विनम्र रहना चाहिए।

➢ कठिन शब्द एवं अर्थ

शब्द\अर्थ

तिनका \ घास का छोटा सूखा टुकड़ा

घमंड अभीमान

ऐंठना घमंड करना

सहसा \ अचानक

व्याकुल\ परेशान

➢ मूल्यांकन प्रश्न

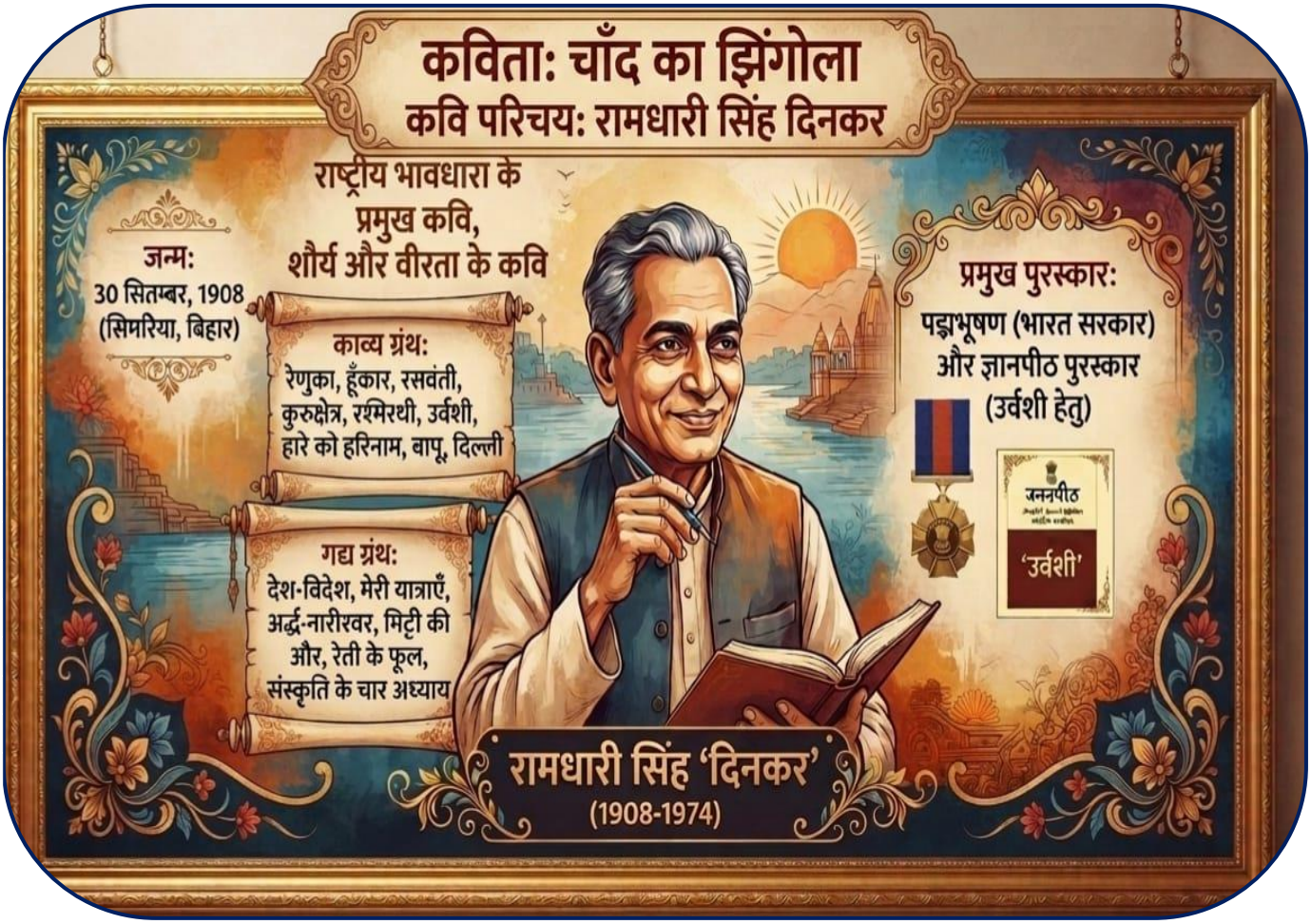
- कविता के कवि कौन हैं?
- कवि के अनुसार मनुष्य को किस बात से बचना चाहिए?
- तिनका आँख में गिरने पर क्या हुआ?
- कविता का मुख्य संदेश क्या है?
- "एक तिनका" कविता हमें क्या शिक्षा देती है?

➢ गृहकार्य

- कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।
- "विनम्रता का महत्व" विषय पर 100 शब्द लिखिए।
- कवि परिचय याद कीजिए।

➢ शिक्षण मूल्य

"अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। विनम्रता ही सच्चे व्यक्तित्व की पहचान है।"
यह मॉड्यूल बी.एस.ई. ओडिशा की कक्षा 10 के विद्यार्थियों के लिए कक्षा-शिक्षण हेतु उपयुक्त है।



➢ अध्यापन-बिंदु

- ❖ बाल-मन की कल्पनाशीलता
- ❖ चंद्रमा का मानवीकरण
- ❖ चंद्रमा के आकार में परिवर्तन का कारण
- ❖ माँ और बालक के संवाद का सौंदर्य
- ❖ प्रकृति एवं विज्ञान का समन्वय
- ❖ कविता की सरल, सरस एवं संवादात्मक शैली

➢ शिक्षण-विधि

❖ शिक्षक कविता का सस्वर एवं भावपूर्ण वाचन कराएँ। तत्पश्चात विद्यार्थियों से चंद्रमा के विभिन्न रूपों के विषय में चर्चा करें। प्रश्नोत्तर, व्याख्या, चित्रावलोकन तथा संवाद-विधि के माध्यम से कविता का भाव स्पष्ट करें। विद्यार्थियों को पूर्णिमा एवं अमावस्या के चंद्रमा का अवलोकन करने तथा अपने अनुभव साझा करने के लिए प्रेरित करें।

➢ शिक्षकों हेतु विशेष निर्देश

❖ अध्यापन के समय शिक्षक विद्यार्थियों को यह स्पष्ट करें कि यह कविता केवल मनोरंजन के लिए नहीं, अपितु बाल-मन की कल्पनाशीलता और प्रकृति के प्रति जिज्ञासा को अभिव्यक्त करने वाली रचना है। चंद्रमा के बदलते आकार को वैज्ञानिक तथ्य (चंद्रमा की कलाएँ) से जोड़ते हुए विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करें। साथ ही यह भी रेखांकित करें कि साहित्य कल्पना और यथार्थ का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है। विद्यार्थियों को कविता का सस्वर वाचन, भावाभिव्यक्ति तथा कल्पनाशील लेखन के लिए प्रोत्साहित करें

➢ बहुविकल्पीय प्रश्न और उत्तर (MCQ's)

1. एक दिन चाँद ने माँ से क्या कहा है -

(A) मुझे रात भर जागना है।
(B) एक मोटा-सा झिंगोला सिलवा दो।
(C) मेरा कद रोज बढ़ता है।
(D) लोग मुझे जादू टोना कहते हैं।

2. चाँद किससे हठ कर बैठा था -

(A) पिता
(B) माँ
(C) दादी
(D) बहन

3. 'हठ' शब्द का अर्थ है -

(A) शैतान
(B) जिद्द
(C) स्थिर
(D) बदमाश

4. चाँद ने किसका सफर कठिन बताया -

(A) धरती का
(C) आसमान का
(B) जंगल
(D) नदी का

5. रात भर किस तरह हवा चलती है -

(A) कल-कल
(C) कुन-कुन
(B) सन-सन
(D) होले-होले

6. यदि झिंगोला न मिले तो चाँद ने क्या माँगा -

(A) टोपी
(C) कुरता
(B) कंबल
(D) मोजे

7. माँ ने चाँद को किस नाम से बुलाया -

(A) प्यारे
(C) सलोने
(B) लाल
(D) मुन्ना

8. चाँद कभी-कभी कितना चौड़ा दिखाई देता था?

(A) एक मीटर
(C) दो फुट
(B) एक उँगली भर
(D) छह फुट

9. किस दिन चाँद बिल्कुल नहीं दिखाई देता -

(A) पूर्णिमा
(C) एकादशी
(B) अमावास्या
(D) अष्टमी

10. कौन रोज़ घटता-बढ़ता है -

(A) सूरज
(C) माँ
(B) चाँद
(D) आसमान

11. चाँद किस तरह यात्रा पूरी करता है -

(A) रो-रो कर
(C) ठिठुर-ठिठुर कर
(B) चलते-चलते
(D) दौड़-दौड़ कर

12. चाँद कैसा झिंगोला चाहता है ?

(A) सूती का
(C) मखमल का
(B) ऊन का
(D) रेशम का

13. जाड़े में वह किस तरह मरता है?

(A) भूख से
(C) डर से
(B) सफ़र से
(D) ठंड से

14.चाँद भाड़े में क्या लाने को कहता है?

(A) धोती
(C) कुर्ता
(B) स्वेटर
(D) चादर

15. "सोलाने" शब्द का अर्थ है–

(A) आलसी
(C) असुंदर
(B) सुन्दर
(D) मधुर

➢ विशेष अध्ययन के लिए प्रश्नोत्तर-

1.माँ चाँद के लिए क्यों झिंगोला बना नहीं पाती ? [2023,2024]

2.बिना झिंगोला से चाँद को क्या कष्ट होता है ? [2021]

3.आसमान का सफर और मौसम है जाड़े का

न हो अगर तो ला दो कुरता कोई भाड़े का भाव स्पष्ट कीजिए? [2020]

4.घटता बढ़ता रोज़ किसी दिन ऐसा भी करता है

नहीं किसी की आँखों को,तू दिखलाई पड़ता है भाव स्पष्ट कीजिए । [2017]

5.एक दिन चाँद क्या हठ करने लगा और क्यों? [2022]

6.चाँद माँ से क्या माँगता है और क्यों? [2022]

नीड़ का निर्माण फिर-फिर

- कवि परिचय

हरिवंश राय बच्चन का जन्म 27 नवम्बर 1907 को प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में हुआ। वे हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध छायावादोत्तर कवि थे। उनकी रचनाओं में जीवन-संघर्ष, आशा, आत्मविश्वास और मानवता का संदेश मिलता है। उनकी भाषा सरल, प्रभावशाली और भावपूर्ण है। उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं– मधुशाला, मधुबाला, मधुकलश तथा आत्मकथा के चार खंड।

- अध्ययन उद्देश्य

पाठ के अध्ययन के बाद विद्यार्थी–

1. कविता का भावार्थ समझ सकेंगे।
2. संघर्ष और आशावाद का महत्व जान सकेंगे।
3. कठिन परिस्थितियों में धैर्य और साहस बनाए रखने की प्रेरणा प्राप्त करेंगे।
4. कविता का सस्वर वाचन कर सकेंगे।

- पूर्व ज्ञान

- पक्षी अपना घोंसला कैसे बनाते हैं?
- आँधी या तूफान आने पर क्या होता है?
- कठिनाइयों के बाद हमें क्या करना चाहिए?

- शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM)

- पाठ्यपुस्तक
- पक्षियों के घोंसले का चित्र
- ब्लैकबोर्ड एवं चॉक और स्मार्टबोर्ड
- चार्ट/स्मार्ट बोर्ड

- शिक्षण प्रक्रिया

प्रस्तावना

।शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न पूछेंगे—

- यदि किसी का बनाया हुआ घर टूट जाए तो वह क्या करेगा?
- क्या हमें कठिनाइयों से घबराना चाहिए?
- इसके बाद शिक्षक कविता का सस्वर वाचन करेंगे।

व्याख्या

कवि बताते हैं कि आँधी से पक्षी का घोंसला नष्ट हो जाता है, फिर भी वह निराश नहीं होता। वह पुनः उत्साह और परिश्रम से अपना नया घोंसला बनाता है। इसी प्रकार मनुष्य को भी जीवन में आने वाली कठिनाइयों से हार नहीं माननी चाहिए, बल्कि नए उत्साह के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

केंद्रीय भाव

यह कविता हमें विपरीत परिस्थितियों में भी साहस, धैर्य, आशा और निरंतर प्रयास करते रहने की प्रेरणा देती है।

जीवन मूल्य

- आत्मविश्वास/परिश्रम\ धैर्य\ सकारात्मक सोच\ संघर्षशीलता

- मूल्यांकन प्रश्न

1. कविता के कवि का नाम क्या है?
2. पक्षी का नीड़ क्यों टूट जाता है?
3. कविता हमें क्या संदेश देती है?
4. कठिनाइयों में हमें क्या करना चाहिए?
5. 'नीड़' शब्द का अर्थ क्या है?

- गृहकार्य

अपने जीवन की किसी कठिन परिस्थिति का वर्णन करते हुए 100 शब्दों में लिखिए कि आपने उससे क्या सीखा।

- शिक्षक हेतु निष्कर्ष

विद्यार्थियों को यह समझाएँ कि जीवन में असफलता अंत नहीं है। जैसे पक्षी बार-बार अपना नीड़ बनाता है, वैसे ही हमें भी हर कठिनाई के बाद नए उत्साह के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

काँटे कम-से-कम मत बोओ

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'

कवि परिचय

कवि रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' का जन्म सन 1915 ई. में उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के किशनपुर गाँव में हुआ। उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त कर सरकारी सेवा की तथा बाद में हिन्दी के प्राध्यापक बने। वे छायावाद और प्रगतिवाद दोनों धाराओं से प्रभावित साहित्यकार थे। प्रारम्भिक रचनाओं में प्रकृति प्रेम और मानवीय भावनाओं का सुंदर चित्रण मिलता हैं। वे समाज में शांति, भाईचारा और परोपकार की भावना के समर्थक थे। उन्होंने कविता के साथ उपन्यास, कहानी और निबंध भी लिखे।

उनकी प्रमुख रचनाएँ :-

अपराजिता, मधुलिका, लाल चुनर, किरण बेला, वर्षा के बादल, विराम चिह्न आदि।

हिन्दी साहित्य में उनका महत्वपूर्ण स्थान हैं, तथा उनकी रचनाएँ आज भी प्रेरणा देती हैं।

कविता के मुख्य विचार-बिंदु

1. यदि हम किसी का भला नहीं कर सकते, तो कम-से-कम किसी को कष्ट भी नहीं पहुँचाना चाहिए।
2. मनुष्य को प्रेम, करुणा, सहयोग और परोपकार की भावना अपनाकर समाज में शांति स्थापित करनी चाहिए।
3. जीवन में आने वाले दुःख संघर्ष और कठिनाइयों से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि साहस और धैर्य से उनका सामन करना चाहिए।

4. आशा, विश्वास, आत्मबल और सकारात्मक सोच ही मनुष्य को सफल एवं महान बनाती हैं।

शिक्षकों के लिए

1. शिक्षक सबसे पहले कवि रामेश्वर शुक्ल "अंचल" जी के चित्र प्रस्तुत कर दिखाएँगे। कवि का संक्षिप्त परिचय देकर कविता का उद्देश्य बताएँ।
2. कविता का शुद्ध उच्चारण एवं लय के साथ वाचन कराएँ।
3. कठिन शब्दों का अर्थ सरल भाषा में समझाएँ।
4. "यदि फूल नहीं बो सकते, तो काँटे भी मत बोओ" पंक्ति का भाव उदाहरण सहित स्पष्ट करें।
5. विद्यार्थियों से परोपकार, सहयोग और मानवता पर चर्चा कराएँ।
6. जीवन में सकारात्मक सोच और धैर्य का महत्व दैनिक जीवन के उदाहरणों से समझाएँ।
7. विद्यार्थियों से कविता का भावार्थ अपने शब्दों में लिखवाएँ एवं सुनवाएँ।
8. अंत में प्रश्नोत्तर, समूह चर्चा तथा गृहकार्य के माध्यम से पुनरावृत्ति कराएँ।

SHORT TYPE QUESTIONS

Q1. कवि रामेश्वर शुक्ल ने लय से कातर होकर क्या न करने को कहा हैं ?

2. प्रेम के स्पर्श से क्या खुल जाते हैं ?
3. मन में संशय होगा तो क्या नुकसान होगा ?
4. कैसे सोने के लिए मना किया गया हैं ?
5. किसकी शीतल छाया में कटुता को भ्रमन हो सकता है ?

6. सुख का कौन-सा मादरा में जागने वाले का चेतन कहा गया है

7. किसके मुर्दे ढोने के लिए मना किया गया हैं ?

8. किस पर विश्वास करना चाहिए ?

9. कम-से कम क्या नहीं बोना चाहिए ?

10. तुम अगर जाग नहीं सकते तो क्या करना चाहिए ?

11. किसमें भी पवन का उपघोष नहीं थमता ?

12. चेतन किसे कहा गया हैं ?

LONG TYPE QUESTIONS

Q1. सांसों के मुर्दे न होने का आग्रह कवि ने क्यों किया हैं ?

2. मानव का जीवन प्रशान्त कैसे हो सकता हैं ?

3. ज्वालाएँ जब धूल जाती हैं, खुल-खुल जाते हैं मुँह नयन । (आशय स्पष्ट कीजिए)

4. सुख की अभिमानी मदिरा में जो जाग सका..... (आशय स्पष्ट कीजिए)

END

